

(शेष पृष्ठ 43 पर)

PAGE NO. 01&44

(शेष पृष्ठ 44 पर)

खाद्य प्रसंस्करण में...

(पृष्ठ 1 का शेष)

- ♦ होटलों, रेस्तरां एवं रिटेलर जैसे सांस्थानिक समूहों से अच्छे संबंध बनाए रखने के लिए कंपनियां अच्छा ग्राहक संबंध प्रबंधन कौशल रखने वाले कर्मचारियों को रखती हैं।
- ♦ प्रापण स्टाफ- जो फसल या उत्पादन परामर्श-तंत्र में सकारात्मक रूप में शामिल होता है, को उद्योग के लिए कच्चे माल की आपूर्ति कारगर करने की आवश्यकता है।

अपेक्षित शैक्षिक योग्यताएं:-

इस क्षेत्र में आने के इच्छुक व्यक्तियों के लिए अल्पकालीन पाठ्यक्रमों से लेकर प्रमाणपत्र, डिप्लोमा, स्नातक, मास्टर, पीएचडी और डॉक्टरोत्तर पाठ्यक्रमों जैसे अनेक पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। अधि-स्नातक स्तर के अधिकांश खाद्य-प्रसंस्करण पाठ्यक्रमों के लिए आप भौतिकी, रसायन विज्ञान एवं जीव विज्ञान विषयों के साथ 10+2 उत्तीर्ण होने चाहिए। इनमें प्रवेश अधिकांशतः प्रवेश-परीक्षा के आधार पर दिया जाता है।

गृह विज्ञान में बीएससी जैसे पाठ्यक्रम या शर्करा, मादक पदार्थों, बेकरी, तेल, फल, वनस्पति आदि जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में विशेषज्ञता पूर्ण पाठ्यक्रम भी आपको इस जगत में प्रवेश दिला सकते हैं।

भारत एवं विदेश में खाद्य प्रसंस्करण के अनुसंधान तथा विकास कार्यों में प्रवेश करने के इच्छुक व्यक्तियों के लिए दो बड़ी छात्रवृत्तियां हैं। राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (एनएएआरएमआईसीएआर) वरिष्ठ अनुसंधान अध्येतावृत्ति और रामलिंगास्वामी अध्येतावृत्तियां। कृषि जैव प्रौद्योगिकी फाउंडेशन (एबीएफ) कृषि जैव प्रौद्योगिकी में पीएचडी अध्येतावृत्तियां भी देता है। अन्य मैरिट एवं आवश्यकता आधारित छात्रवृत्तियां-जो आप प्राप्त कर सकते हैं, वे हैं- एस. के. पाटिल ऋण छात्रवृत्तियां और जेएन टाटा प्रतिभा छात्रवृत्तियां। इस क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने के इच्छुक सुयोग्य उम्मीदवारों के लिए कम ब्याज दर वाले शैक्षिक ऋण भी उपलब्ध हैं।

प्रख्यात प्रशिक्षण संस्थान

इस क्षेत्र में कुछ बड़े संस्थान एवं अनुसंधान संस्थान निम्नलिखित हैं:-

- ♦ राष्ट्रीय कृषि एवं खाद्य विश्लेषण तथा अनुसंधान संस्थान (एनएएफएआरआई), पुणे: यह स्वशासी, गैर-लाभग्राही संगठन खाद्य प्रसंस्करण कंपनियों को उत्पाद विकास, परीक्षण, विश्लेषण एवं प्रशिक्षण सुविधाएं देता है। यह

अनुसंधान संस्था भारत में संपूर्ण डेयरी विकास के लिए उच्च कोटि का मानव संसाधन उपलब्ध कराती है।

संस्थान डेयरी विज्ञान के क्षेत्र में निम्नलिखित कार्यक्रम चलाता है:-

- ♦ डेयरी प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा
- ♦ पशु पालन एवं डेयरिंग में डिप्लोमा
- ♦ बी.टेक (डेयरी प्रौद्योगिकी)
- ♦ डेयरिंग में मास्टर कार्यक्रम (13 विषयों में)
- ♦ डेयरिंग में डॉक्टरल कार्यक्रम (13 विषयों में)
- ♦ भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), पूसा: इसके दिल्ली में 20 प्रभाग एवं 5 बहु-विषयक केंद्र, 8 क्षेत्रीय केंद्र, 2 ऑफ-सीजन नर्सरी तथा 10 राष्ट्रीय केंद्र हैं। इसके संस्वीकृत कर्मचारियों की संख्या 3540 है, जिसमें वैज्ञानिक, तकनीकी कार्मिक प्रशासनिक स्टाफ तथा सहायक स्टाफ शामिल है।

यह मान्यवत विश्वविद्यालय एमएससी, एम.टेक एवं पीएचडी कार्यक्रम चलाता है। यहां चलाए जाने वाले कुछ पाठ्यक्रम निम्नलिखित हैं:-

- ♦ कृषि रसायन
- ♦ कृषि अर्थशास्त्र
- ♦ कृषि इंजीनियरी
- ♦ कृषि विस्तार
- ♦ कृषि भौतिकी
- ♦ कृषि सांख्यिकी
- ♦ सस्यविज्ञान
- ♦ जैव रसायन विज्ञान
- ♦ जैव सूचना विज्ञान
- ♦ कंप्यूटर अनुप्रयोग
- ♦ कीट विज्ञान
- ♦ पर्यावरण विज्ञान
- ♦ पुष्पोत्पादन एवं भू-दृश्य वास्तुकला
- ♦ फल विज्ञान एवं बागवानी प्रौद्योगिकी
- ♦ आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन
- ♦ सूक्ष्म जीव विज्ञान
- ♦ मोलेक्यूलर जीव विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी
- ♦ नेमटोलॉजी
- ♦ पादप शरीर विज्ञान
- ♦ पादप आनुवांशिक संसाधन
- ♦ पादप उपज प्रौद्योगिकी
- ♦ मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विज्ञान
- ♦ बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
- ♦ सब्जी (वनस्पति विज्ञान)
- ♦ जल विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

विश्लेषण एवं प्रशिक्षण सुविधाएं देता है। यह संस्थान खाद्य विश्लेषण विज्ञान में एक वर्ष का अंशकालिक डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी चलाता है। खाद्य प्रसंस्करण में किन, श्लेसविग होस्टीन, जर्मनी के सहयोग में एक व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रारंभ करने का प्रस्ताव है। संस्थान कभी-कभी उद्यम विकास कार्यक्रम भी चलाता है।

♦ **केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआई), मैसूर:** इसमें लगभग 300 वैज्ञानिक, इंजीनियर तथा प्रौद्योगिकीविद् और 400 से अधिक तकनीशियन, सहायक स्टाफ तथा कुशल कामगार कार्यरत हैं। इसके 16 अनुसंधान एवं विकास विभाग हैं, जिनमें खाद्य प्रसंस्करण, खाद्य सुरक्षा, सेंसरी साइंस, जैव प्रौद्योगिकी एवं सूक्ष्मजीव विज्ञान के लिए विशेष प्रयोगशालाएं भी शामिल हैं।

यह संस्थान खाद्य प्रौद्योगिकी में पीएच.डी एवं एमएससी कार्यक्रम, अंतरराष्ट्रीय मिलिंग प्रौद्योगिकी स्कूल (आईएसएमटी में फ्लोर मिलिंग प्रौद्योगिकी पर एक वर्षीय पाठ्यक्रम-टोक्यो में स्थिति मुख्यालय वाले संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय के साथ एक संयुक्त पाठ्यक्रम और निम्नलिखित पर अल्पकालीन पाठ्यक्रम चलाता है:-)

- ♦ उन्नत प्रसंस्करण तकनीक
- ♦ पशु तकनीक, एथिक्स एवं कल्याण
- ♦ फ्लोर मिलिंग एवं बेकिंग उत्पाद
- ♦ खाद्य इंजीनियरी
- ♦ खाद्य सूक्ष्मजीव विज्ञान एवं फर्मेंटेशन प्रौद्योगिकी
- ♦ खाद्य फ्लेवर एवं सेंसरी साइंस
- ♦ खाद्य पैकेजिंग
- ♦ खाद्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता नियंत्रण
- ♦ फ्यूमीगेशन, प्रोफिलेक्सीस एवं पोस्ट प्रबंधन
- ♦ खाद्यान्न प्रसंस्करण
- ♦ उपकरणीय विश्लेषण
- ♦ लिपिड साइंस एवं पारम्परिक खाद्य
- ♦ मीट एवं मीट उत्पाद
- ♦ पादप सेल जैव प्रौद्योगिकी
- ♦ फसलोत्तर हस्तन एवं ताजे उत्पादों का प्रसंस्करण
- ♦ प्रोटीन रसायन विज्ञान
- ♦ मसाले एवं पौधरोपण उत्पाद
- ♦ **राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआई), करनाल:** यह प्रमुख डेयरी

- ♦ संस्थान एवं प्रौद्योगिकी
- ♦ **भारतीय फसल प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीपीटी), तंजावुर:** यह संस्थान खाद्य प्रसंस्करण इंजीनियरी में बी.टेक., एम.टेक तथा पीएच.डी कार्यक्रम एवं खाद्य विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में एम.टेक. पाठ्यक्रम चलाता है।
- ♦ **पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू), लुधियाना:** पीएयू ने भारत में हरित क्रांति में मुख्य भूमिका निभायी है और पशुधन एवं कुक्कुट उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान किया है। इसके पांच कॉलेज हैं:

- कृषि कॉलेज
- कृषि इंजीनियरी एवं प्रौद्योगिकी कॉलेज
- मूलभूत विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज
- गृह विज्ञान कॉलेज
- स्नातकोत्तर अध्ययन
- **राष्ट्रीय शर्करा संस्थान:** कानपुर, चेन्नै एवं कोलकाता में स्थित यह संस्थान शर्करा इंजीनियरी एवं प्रौद्योगिकी में इंटरशिप कार्यक्रम और औद्योगिक फर्मेंटेशन तथा मादक पदार्थ प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा कार्यक्रम चलाता है।
- आचार्य एन.जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय, बपटला
- आणन्द कृषि विश्वविद्यालय, आणन्द
- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सी.सी.एस. एच.ए.यू.), हिसार
- चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (सी.सी.एस.यू.), मेरठ
- केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान (सी.आई.एफ.ई.), मुंबई
- चौधरी श्रवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय (सी.एस.एच.पी.ए.यू.), पालमपुर
- फल प्रौद्योगिकी संस्थान (एफ.टी.आई.), लखनऊ
- गोविंद वल्लभ पंत विश्वविद्यालय (जी.बी.पी.यू.), पंतनगर
- रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.सी.टी.), मुंबई
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय खुला विश्वविद्यालय (इग्नू)
- भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आई.वी.आर.आई.), इज्जतनगर
- महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी